लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3332

12 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय पटसन उद्योग अनुसंधान संघ

3332. डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडेः

श्री विनायक भाऊराव राऊतः

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः

श्रीमती पूनम महाजनः

श्री गिरीश भालचन्द्र बापटः

श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार सेनेटरी नैपकिन के उत्पादन में आयातित लकड़ी की लुग्दी की जगह स्वदेशी सामग्री, पटसन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का मानना है कि आयातित लकड़ी की लुग्दी की बजाए पटसन का उपयोग किसानों की सहायता करेगा और महिलाओं के लिए रोजगार सृजित करेगा जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में सहायता मिलेगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बाजार में उपलब्ध अधिकतर सेनेटरी नैपकिन लकड़ी की लुग्दी से बनाए जा रहे हैं जिसे चीन या अमरीका से आयात किया जाता है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या वस्त्र मंत्रालय ने पूर्व में पटसन आधारित कम लागत वाले सेनेटरी नैपकिनों के विकास के लिए भारतीय पटसन उद्योग अनुसंधान संघ आईजीआईआरए की एक परियोजना को प्रायोजित किया था तथा यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं;

(ङ) क्या केन्द्र सरकार ने पटसन सेनेटरी नैपकिन हेतु एक प्रायोगिक परियोजना की अभिकल्पना की है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं; और

(च) क्या उक्त परियोजना पटसन किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करने में सहायता करेगी और महिलाओं के लिए रोजगार सृजित करेगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से च) : भारत सरकार ने सैनिटरी नैपकिन के उत्पादन के लिए आयातित वुड पल्प के स्थानापन्न के रूप में कच्ची सामग्री के रूप में पटसन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय पटसन बोर्ड (एनजेबी) के माध्यम से आई आई टी खड़गपुर और इजिरा को दो अनुसंधान

और विकास परियोजनाएं दी है। सैनिटरिग नेपकिन को मेडिकल उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इनका उत्पादन करने वाली कंपनीयों को मानक आईएस 5405 (1980) का पालन करना अपेक्षित है। चीन और यूएसए से वुड पल्प के आयात का ब्यौरा अनुबंध 1 में दिया गया है। सैनिटरी नैपकिन में पटसन पल्प का उपयोग बढ़ने से पटसन क्षेत्र में लगे पटसन किसानों और महिलाओं के रोजगार में वृद्धि होगी और उनकी आय में भी वृद्धि होगी जिससे अन्ततः भारतीय अर्थ व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

अनुबंध-क

चीन से वुड पल्प का आयात (मिलियन अमरीकी डालर में)

क्र.सं.	एचएस कोड	वस्तु	2016-17	2017-18	2017-18 में प्रतिशत वृद्धि	2018-19	2017-18 में प्रतिशत वृद्धि
1	47010000	मैकेनिकल वुड पल्प	0	0.01	0.00	0	-100.00
2	47031100	कैमिकल वुड पल्प यूएनबीएलसीडी कौनीफैरस, सल्फेट	0	0.01	0.00	0.01	0.00
3	47031900	कैमिकल वुड पल्प यूएनबीएलसीडी नॉन-कौनीफैरस, सल्फेट	15.78	14.43	-8.56	17	17.81
4	47032100	ब्लीच्ड या सेमी-ब्लीच्ड कौनीफैरस कैमिकल वुड पल्प सल्फेट	2.24	2.49	11.16	2.5	0.40
5	47032900	ब्लीच्ड या सेमी-ब्लीच्ड नॉन-कौनीफैरस कैमिकल वुड पल्प सल्फेट	0		0.00	0	0.00
6	47050000	मैकेनिकल व कैमिकल पल्प प्रसंस्करण के संयोजन से प्राप्त वुड पल्प	0		0.00	0	0.00
7	48237020	वुड पल्प बोर्ड	0.01	0	-100.00		0.00
		वुड पल्प	**18.03**	**16.94**	**-6.05**	**19.51**	**15.17**

यूएसए से वुड पल्प का आयात (मिलियन अमरीकी डालर में)

क्र.सं.	एचएस कोड	वस्तु	2016-17	2017-18	2017-18 में प्रतिशत वृद्धि	2018-19	2017-18 में प्रतिशत वृद्धि
1	47010000	मैकेनिकल वुड पल्प	0.56	0.55	-1.79	0.58	5.45
2	47020000	मैकेनिकल वुड पल्प घुलनशील ग्रेड	67.64	76.4	12.95	61.55	-19.44
3	47031100	कैमिकल वुड पल्प यूएनबीएलसीडी कौनीफैरस, सल्फेट	0.05	0.92	1740.00	5.19	464.13
4	47031900	कैमिकल वुड पल्प यूएनबीएलसीडी नॉन-कौनीफैरस, सल्फेट	0.83	0.74	-10.84	0.42	-43.24
5	47032100	ब्लीच्ड या सेमी-ब्लीच्ड कौनीफैरस कैमिकल वुड पल्प सल्फेट	88	85.9	-2.39	106.95	24.51
6	47032900	ब्लीच्ड या सेमी-ब्लीच्ड नॉन-कौनीफैरस कैमिकल वुड पल्प सल्फेट	10.99	14.33	30.39	30.89	115.56
7	47042900	सेमीब्लीच्ड-/ब्लीच्ड नॉन-कौनीफैरस कैमिकल वुड पल्प सल्फेट	0.03	0.01	-66.67	0	-100.00
8	47050000	मैकेनिकल व कैमिकल पल्प प्रसंस्करण के संयोजन से प्राप्त वुड पल्प	2.76	4.12	49.28	6.59	59.95
9	48237020	वुड पल्प बोर्ड	0		0.00	0	0.00
		वुड पल्प	**170.86**	**182.97**	**7.09**	**212.17**	**15.96**

स्रोत : डीजीसीआईएस